भारत प्राचीन समय से शिक्षा का केंद्र रहा है:लोक सभा अध्यक्ष

...

हमारा चिंतन आधुनिक होने के साथ सांस्कृतिक भी है:लोक सभा अध्यक्ष

...

हम आध्यात्मिकता और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं:लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने एलन करियर इंस्टीट्यूट, दिल्ली के प्रबोधन कार्यक्रम को सम्बोधित किया

...

नई दिल्ली; 27 मई, 2023: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज एलन करियर इंस्टीट्यूट, दिल्ली के प्रबोधन एवं Open seminar को सम्बोधित किया। इस अवसर पर श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उनका संसदीय क्षेत्र कोटा आज देश भर में शिक्षा नगरी के रूप में जाना जाता है और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोटा को 'शिक्षा की काशी'की उपमा भी दी है।

भारत में प्राचीन काल से मौजूद ज्ञान-विज्ञान, दर्शन, परंपरा और संस्कृति की धरोहर के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि प्राचीन समय में देश में शिक्षा के अनेक केंद्र रहे है, जहां दुनिया के कई हिस्सों से लोग अध्ययन के लिए आया करते थे। तक्षशिला, पाटलीपुत्र, मिथिला, काशी, आदि शिक्षा के प्रमुख वैश्विक केंद्र थे।श्री बिरला ने कहा कि हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा दी जाती रही है।

समकालीन प्रतियोगी परिवेश में श्री बिरला ने कहा कि परीक्षा में सफलता के लिए सिर्फ भौतिक ज्ञान आवश्यक नहीं है, बल्कि उसके साथ आध्यात्मिक शांति और सदृढ़ मन भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया आज भौतिक चिंतन के सहारे आगे बढ़ रही है लेकिन भारत की विशेषता है कि हमारा चिंतन आधुनिक होने के साथ सांस्कृतिक और पुरातात्विक भी है और इसी कारण हम आध्यात्मिकता और आधुनिकता को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। श्री बिरला ने ज़ोर देकर

कहा कि हमारे सभ्यतागत मूल्यों के कारण आज विश्व के विकसित देशों में सभी सामर्थ्यवान डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक भारतीय मूल के हैं।

बदलते समय में, बदलते करियर के विकल्प के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि समय के साथ विद्यार्थियों की आवश्यकताऐं और प्रथमिकताऐं भी बदल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में 5-जी, एआई, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग जैसे फील्ड में करियर का स्कोप बना है। भारतीय युवा आज रोजगार लेने की बजाय नौकरी देने वाले बन रहे हैं, अपना स्टार्ट अप तैयार कर रहे हैं और नौजवानों का यह आत्मविश्वास आज पूरे देश को आगे बढ़ा रहा है।